माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश

नवीन ब्लूप्रिन्ट आधारित
आदर्श प्रश्न पत्र एवं आदर्श उत्तर

कक्षा 12वीं

हिन्दी सामान्य
2008-2009

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल
(द्वारा सर्वाधिकार सुरक्षित)

प्रश्न–पत्र ब्लूप्रिन्ट
BLUE PRINT OF QUESTION PAPER

कक्षा :– XII परीक्षा : हायर सेकण्डरी पूर्णांक :– 100

विषय :– हिन्दी सामान्य समयः 3 घण्टे

स. क्र.	इकाई	इकाई पर आवंटित अंक	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	अंकवार प्रश्नों की संख्या			कुल प्रश्न
			1 अंक	4 अंक	5 अंक	10अंक	
1.	**पद्य खण्ड –** व्याख्या, सौन्दर्य बोध एवं विषयवस्तु पर प्रश्न	25	8	3	1	–	4
2.	**गद्य खण्ड –** अर्थग्रहण संबंधी एवं विषयवस्तु पर आधारित प्रश्न।	25	8	3	1	–	4
3.	**हिन्दी साहित्य का इतिहास** - निबंध साहित्य का विकास ।	05	1	1	–	–	1
4.	**व्याकरण–** शब्द बोध, वाक्य भेद, समास, वाक्य, रूपान्तरण, अशुद्धि संशोधन, भाव पल्लवन/भाव विस्तार, शब्द युग्म, लोकोक्ति एवं मुहावरे।	20	8	3	–	–	3
5.	**अपठित बोध** गद्यांश एवं पद्यांश – शीर्षक, सारांश एवं प्रश्न।	10	–	–	2	–	2
6.	**पत्र लेखन / प्रपत्र लेखन**	05	–	–	1	–	1
7.	**निबन्ध लेखन**	10	–	–	–	1	1
	योग =	**100**	**(25)=5**	**10**	**05**	**01**	**16+5=21**

निर्देश :– वस्तुनिष्ठ प्रश्न प्रश्नपत्र के प्रारंभ में दिये जायेगे।

1. प्रश्न क्रमांक 1 से 5 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न होगें जिसके अन्तर्गत रिक्त स्थानों की पूर्ति, एक शब्द में उत्तर, मेचिंग, सही विकल्प का चयन तथा सत्य असत्य का चयन आदि के प्रश्न होगें। प्रत्येक प्रश्न के लिए 1X 5 = 5 अंक निर्धारित है।
2. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों को छोड़कर सभी प्रश्नों में विकल्प का प्रावधान रखा जाये। यह विकल्प समान इकाई से तथा यथा संभव समान कठिनाई स्तर वाले होने चाहिए।
3. कठिनाई स्तर – 40% सरल प्रश्न, 45% सामान्य प्रश्न, 15% कठिन प्रश्न

नोटः– प्रश्नपत्र को व्यवस्थित करने के उद्देश्य से तथा प्रश्नपत्र में वस्तुनिष्ठ प्रश्नों का समावेश करने के लिए अंकों का समायोजन (पत्र लेखन अपठित एवं निबंध को छोड़कर) शेष इकाइयों से किया गया है।

आदर्श प्रश्न पत्र – 2009
Class - XIIth
विषय – हिन्दी सामान्य

समय – 3 घंटे | पूर्णांक – 100

निर्देश :–

1. सभी प्रश्न करना अनिवार्य है
2. प्रत्येक प्रश्न के लिये आवंटित अंक उनके सम्मुख अंकित है।
3. आरंभ में दिये गये वस्तुनिष्ठ प्रश्न सबसे पहले हल कीजिए।
4. प्रश्न क्रमांक 1 से 5 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं। प्रत्येक के लिये **(5X5=25)** एक–एक अंक निर्धारित है।
5. प्रश्न क्रमांक 6 से 15 तक के लिए चार–चार अंक निर्धारित है।
6. प्रश्न क्रमांक 16 से 20 तक 5 अंक प्रत्येक प्रश्न के लिए निर्धारित है।
7. प्रश्न क्रमांक 21 के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

प्रश्न 1. निम्नलिखित रिक्त स्थानों की पूर्ति दिए गए विकल्पों के आधार पर कीजिए। 5

1) देवकी को .... ने संदेश भेजा था।

(कृष्ण / यशोदा)

2) 'ठेस' कहानी .... वातावरण पर आधारित है।

(शहरी / आँचलिक)

3) काका साहेब कालेलकर ने ....को निष्ठा की मूर्ति कहा है।

(मदर टेरेसा / कस्तूरबा)

4) बाबू गुलाबराय .... युग के प्रमुख निबंधकार थे।

(भारतेन्दु / शुक्ल)

5) वाक्य .... प्रकार के होते हैं।

(चार / तीन)

प्रश्न 2. निम्नलिखित कथनों के लिये सही विकल्प चुनिए – 5

1) गुलाबराय जी ने नर से नारायण कहा है।

1. देवताओं को 2. नेताओं को

3. स्वयं को 4. महापुरूषों को

2) भूषण प्रमुख कवि थे –

1. रीतिकाल के 2. वीर गाथा काल के

3. भक्तिकाल के 4. आधुनिक काल के

3) एकांकी ''बीमार का इलाज'' के लेखक हैं–

1. जयशंकर प्रसाद 2. देवेंद्र दीपक

3. उदयशंकर भट्‌ट 4. काका कालेलकर

4) ''जागो फिर एक बार'' कविता में कवि ने प्रेरणा दी है –

1. युवकों को 2. सैनिकों को

3. देशवासियों को 4. समाज को

5) 'नीलकमल' समास है।

1. द्विगु 2. द्वन्द

3. बहुब्रीहि 4. कर्मधारय

प्रश्न 3. निम्नलिखित कथनों में सत्य/असत्य छाँटिए – **5**

1. पश्चिम शरीर–बल का उपासक है।
2. 'दूध का मूल्य' एक एकाँकी है।
3. गांधी जी अक्षर ज्ञान को ही शिक्षा समझते थे।
4. कन्याकुमारी तीन समुद्रों का संगम स्थल है।
5. हर पुस्तक को उसका पाठक मिलना चाहिए।

प्रश्न 4. निम्नलिखित की सही जोड़ी मिलाइए – **5**

1. हंसिनी की भविष्यवाणी	1. सिद्वार्थ को
2. वृत्त की परिधि और व्यास का नियम	2. पार्वती के नाम पर
3. जनि, तनक, गैया, टेव	3. आर्यभट्‌ट की देन है
4. यशोधरा ने 'वसंत' कहा है	4. देशज शब्द है।
5. कन्याकुमारी नाम पड़ा है	5. लोककथा है।

प्रश्न 5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में दीजिए– **5**

1) हम विदेश क्यों जा रहे हैं?
2) तमिलनाडू के निवासियों की दृष्टि में सर्वोपरि क्या है?
3) गाँधी जी के अनुसार ईश प्रार्थना का उपयुक्त समय क्या है?
4) बच्चों में किस बात की बहस छिड़ी थी।
5) ''ताप त्रय'' कौन कौन से हैं।

प्रश्न 6. यशोदा स्वयं को कृष्ण की धाय क्यों कहती है? **4**

अथवा

कवि रहीम ने सच्चा मित्र किसे कहा है सच्चे मित्र की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

प्रश्न 7. छत्रसाल की बर्छी की विशेषताएं लिखिए। **4**

अथवा

मेष माता तप्त आँसू क्यों बहाती है?

प्रश्न 8. ''हिमालय और हम'' कविता का केन्द्रीय भाव लिखिए। **4**

अथवा

यशोधरा की निजी व्यथा, लोक व्यथा क्यों बन गई है?

प्रश्न 9. पाठ ''नर और नारायण'' में लेखक का आनंद आशंका में क्यों बदल गया। **4**

अथवा

मानू ने सिरचन को पान का बीड़ा देते समय क्या सलाह दी?

प्रश्न 10. मोमबत्ती बुझाने पर परिवेश कैसे बदला। **4**

अथवा

बल की दृष्टि से पश्चिम और भारत में क्या अंतर है।

प्रश्न 11. कस्तूरबा को तेजस्वी महिला क्यों कहा गया है? 4

अथवा

तीन बच्चे पाठ में चौके का काम निपटाकर बाहर आने पर लेखिका ने क्या देखा?

प्रश्न 12. भारतेन्दु युग की विशेषताएँ बताते हुए उस युग के प्रमुख चार लेखकों की एक–एक रचना का नाम लिखिए। 4

अथवा

शुक्ल युग के प्रवर्तक कौन थे? शुक्ल युग की प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 13. अ. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए (कोई दो) 4

1. नाकों चने चबाना
2. मुट्ठी में करना
3. पौ बारह होना

ब. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध कीजिए – (कोई दो)

1. नीता सुन्दरी लड़की है।
2. मेरे को घर जाना है।
3. वह भाग्यवान स्त्री है।

प्रश्न **14. अ. निम्नलिखित शब्द–युग्मों का अलग–अलग अर्थों में प्रयोग करते हुए वाक्य बनाइये (कोई दो)** 4

उपेक्षा – अपेक्षा

काफी, कॉफी

अवलंब– अविलंब

ब. निर्देशानुसार वाक्य बदलिए (कोई दो)

1. मयूर वन में नाचता है। (विस्मयादि बोधक)
2. मेरे पिताजी वे हैं जो पलंग पर लेटे हैं। (संयुक्त वाक्य)
3. रोगी ने ज्यों ही दवा पी उसे उल्टी हो गई। (साधारण वाक्य)

प्रश्न **15. निम्नलिखित अवतरणों में से किसी एक का भाव पल्लवन कीजिए।** 4

1. आशा से आकाश थमा है।
2. खग–मृग बसंत आरोग्य वन, हरि अनाथ के साथ।

प्रश्न **16.** **निम्नलिखित गद्यांश की संदर्भ व प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए** **5**

मेह के कारण शरीर में जो स्फूर्ति आई थी उससे प्रेरित हो लिखने बैठ गया। कभी–कभी बाहर जाकर मेघाच्छादित गगन–मण्डल की शोभा निरख लेता था। किन्तु मैं यह नहीं जानता था कि इस सौन्दर्य में इतना विष भरा है। कभी–कभी पीछे की ओर बगीचे में जाकर शैफाली की उदार सुमन वर्षा का तथा धोए–धोए पत्तों वाली हरित ललित–यौवन भरी लहलहाती लोनी लताओं के सौन्दर्य मधु को अपने संतृष्ण नेत्रों द्वारा पान कर लेता था।

अथवा

बल के साथ बुद्धि का एकत्र संयोग सौभाग्य श्री का पुनीत वरदान है। जिस मनुष्य जाति या राष्ट्र को महामाया का यह वरदान प्राप्त है। सफलता उसके सामने हाथ बाँधें खड़ी रहने में अपने जीवन की चरितार्थता मानती है और विजय उसकी आँख के सूक्ष्म संकेत पर नाचने में अपना गौरव अनुभव करती है।

प्रश्न **17.** **निम्नलिखित में से किसी एक पद्य की संदर्भ व प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए–** **5**

छिमा बड़ेन को चाहिए, छोटन को उत्पात।
का रहीम हरि को घट्यो, जो भृगु मारी लात।

अथवा

पेड़ों ने पत्ते तक उनका, त्याग देखकर त्यागे।
मेरा धुंधलापन कुहरा बन, छाया सबके आगे
उनके तप के अग्नि कुंड से घर–घर में है जागे
मेरे कम्प हाय। फिर भी तुमभ नहीं कहीं से मागे

प्रश्न **18.** **निम्नलिखित अपठित पद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए–** **5**

कभी – कभी जब हम बोलना चाहते हैं
चुप रह जाते हैं,
क्योंकि शायद मौन की भाषा बड़ी हो जाती है,
शब्दों की चोट से कभी–कभी

1) उपरोक्त पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए?
2) मौन की भाषा किससे बड़ी होती है?
3) उपरोक्त पद्यांश का उचित शीर्षक लिखिये।

प्रश्न **19.** **निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए–** **5**

मनोरंजन का जीवन में विशेष महत्व है। दिनभर की **दिनचर्या** से थका–माँदा मनुष्य रात को आराम का साधन खोजता है। यह साधन है– मनोरंजन। मनोरंजन मानव जीवन में **संजीवनी बूटी** का काम करता है। यह मनुष्य के थके हार शरीर को आराम की सुविधा प्रदान करता है। यदि आज के मानव के पास मनोरंजन के साधन न होते तो उसका जीवन नीरस बनकर रह जाता। यह नीरसता मानव जीवन को चक्की की तरह पीस डालती है और मानव संघर्ष तथा परिश्रम करने के योग्य भी नहीं रह पाता।

1. प्रस्तुत गद्यांश का सार्थक शीर्षक लिखिये।
2. थके माँदे मनुष्य को आराम के लिये किस चीज की आवश्यकता होती है।
3. रेखांकित शब्दों का अर्थ लिखिये।
4.

प्रश्न **20.** पुस्तक विक्रेता को पुस्तकें मँगाने हेतु पत्र लिखिए। **5**

अथवा

बोर्ड परीक्षा में मित्र के प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होने पर बधाई पत्र लिखिए।

प्रश्न **21. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए–** **10**

1) आदर्श मित्र
2) समय का महत्व
3) स्वदेश प्रेम
4) कम्प्यूटर आज की आवश्यकता
5) पर्यावरण और जीवन।

——//——

आदर्श उत्तर
Class - XIIth
विषय – हिन्दी सामान्य

समय तीन घन्टे | पूर्णांक – 100

उत्तर 1. **रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित शब्द द्वारा कीजिये –** **5**

1) यशोदा 2) आँचलिक
3) कस्तूरबा 4) शुक्ल
5) तीन

उत्तर 2. **निम्न कथनों के लिये सही विकल्प का चयन कीजिये –** **5**

1) स्वयं को 2) रीतिकाल
3) उदय शंकर भट्ट 4) युवकों से
5) कर्मधारय

उत्तर 3. **निम्न कथनों में से सत्य/असत्य छाँटिये –** **5**

1) सत्य 2) असत्य
3) असत्य 4) सत्य
5) सत्य

उत्तर 4. **सही जोड़ी का मिलान कीजिये –** **5**

1) लोक कथा है 2) आर्यभट्ट की देन है
3) देशज् शब्द है 4) सिद्वार्थ को
5) पार्वती के नाम पर

उत्तर 5. 1) संस्कृति के दबे रहस्यों को समझने के लिए हम विदेश जा रहे हैं। **5**

2) अपनी भाषा और संस्कृति पर अटूट विश्वास ही तमिलनाडू वासियों के लिये सर्वोपरि है।

3) गांधी जी सूर्योदय से पहले के समय को ईश प्रार्थना के लिए उपयुक्त मानते थे।

4) मेरी क्यारी सबसे अच्छी है लेकर बच्चों में बहस छिड़ी थी।

5) दैहिक, दैविक, भौतिक ये तीन ताप हैं।

उत्तर 6. यशोदा द्वारा देवकी को संदेश भेजकर स्वंय को कृष्ण की धाय बताने का कारण कृष्ण से अगाध स्नेह ही है। धाय के संपर्क में बालक अधिक समय व्यतीत होने के कारण वह बालक की हर आदतें, स्वभाव, विचारों की ज्यादा जानकारी रखती है। यशोदा ने इन्हीं आदतों, स्वभाव एवं विचारों से देवकी को संदेश के माध्यम से अवगत कराया है। **4**

अथवा

सच्चा मित्र वह है जो विपत्ति में हमारा साथ दे। सच्चे मित्र में माता का सा धैर्य, प्रेम एवं सहानुभूति होनी चाहिए। सच्चा मित्र अपने मित्र के दुःख में दुखी एवं खुशियों में खुश होकर साथ देने वाला हो।

उत्तर 7. छत्रसाल की तलवार जब म्यांन से बाहर निकलती है तो उसकी चमक प्रलयंकारी सूर्य की किरणों की भांति चमकती है। शत्रुओं के कंधों से नागिन की तरह लिपट कर उनके प्राण हर लेती है। वह शत्रुओं के मुण्डों की माला भेंटकर काली को प्रसन्न करती है। शत्रुओं का नाश करते हुए उन्हें पर कटे पक्षी की तरह तड़पने के लिए छोड़ देती है। **4**

अथवा

मेषमाता अत्यंत दुर्बल प्राणी होने के कारण अपनी संतान की सुरक्षा नहीं कर पाती। लाचारी एवं बेबसी के कारण मेष माता (बकरी) की तरह आँसू बहाती है।

उत्तर 8 भारतीय अस्मिता के प्रतीक हिमालय को भारतीय गौरव के पहचान चिह्न के रूप में निरूपित किया है। यह भारत के उन्नत मस्तक के रूप में केवल पर्वत राज ही नहीं बल्कि भारतीयों के स्वाभिमान का **4**

प्रतीक भी है। हिमालय के आँगन में ही ज्ञान की परंपरा ने जन्म लिया है और वेद ऋचांए इसी तलहटी में गूंजी कवि ने कविता में हिमालय के माध्यम से भारतीयों की जीवन शक्ति को प्रकट किया है।

अथवा

ऋतु परिवर्तन के कारण लोगों को होने वाले कष्ट एवं यशोधरा की विरह वेदना के कष्टों में कवि ने समानता दिखाई है। उदाहरण के लिए ग्रीष्म ऋतु में धूप से आने पर व्यक्ति की आँखों में अंधकार छा जाता है, पसीना छूटने लगता है यशोधरा के नेत्रों में भी अंधकार छा गया है। विरह के कारण रो–रोकर उसका शरीर शिथिल हो गया है एवं ठंडे पसीने छूटने लगे हैं।

उत्तर 9. वर्षा का आरंभ मानव ही नहीं प्रकृति के लिए भी रोमांचकारी एवं स्फूर्ति प्रदान करने वाला होता है। प्रकृति में नवजीवन का संचार होने लगता है। लेकिन जब यही वृष्टि अति वृष्टि में परिवर्तित हो जाती है तो मानव पर आशंका हावी होती जाती है ऐसा ही कुछ लेखक के साथ भी हुआ। वृष्टि से प्राप्त होने वाला रोमांच एवं आनंद अतिवृष्टि से होने वाले दुःख में बदल गया। **4**

अथवा

मानू ने सिरचन को पान का बीड़ा देते हुए सलाह दी कि ''सिरचन दादा काम–काज का घर है। पाँच तरह के लोग पाँच किस्म की बातें करेंगे। तुम किसी की बात पर कान न दो।''

उत्तर 10. मोमबत्ती बुझते ही सारा वातावरण ज्योतिर्मय हो उठा। चाँदनी दरवाजे, खिड़की के रास्ते से अंदर आ गई। चन्द्रमा मानो लेखक से कहने लगा ''मैं तुम्हें बहुत देर से याद कर रहा था, पर तुम किताब में डूबे हुए थे। **4**

https://www.freshersnow.com/board-model-question-papers/

अथवा

पश्चिम शरीर बल का उपासक है, भारत आत्मबल का उपासक। भारत का बल आत्मिक उन्नति को महत्व देता है। इसी आत्मिक बल पर बुद्ध एवं महात्मा गांधी ने अपनी उज्वलता घोषित की है। संसार को अपना बनाने का गौरव प्राप्त किया है।

उत्तर 11. कस्तूरबा अपने संस्कार बल के कारण पारिवारिक प्रेम एवं तेजस्विता को चिपकाए रही और उसी के कारण महात्मा गांधी के माहात्म्य की बराबरी में आ सकीं। उन्होंने जीवन में कभी हार स्वीकार नहीं की और अपनी धर्मनिष्ठा पर आँच नहीं आने दी। **4**

अथवा

चौके का काम निपटाने के बाद लेखिका जब बाहर आई तो उन्होंने देखा कि वे तीनों गरीब भिखारी बच्चे प्रेम से पूरियां खा रहे थे एवं लेखिका के बच्चे उतने ही प्रेम से उन्हें परोस रहे थे। जब वे खाकर उठे तो मैंने उनसे कहा कि देखो तुमने पूरियाँ तो खा लीं। अब बिना गाना सुनाये न जा सकोगे।

उत्तर 12. भारतेन्दु युग हिन्दी निबंध उद्भव काल माना गया है। इस काल के अधिकांश लेखक पत्रिका संपादक रहे। इस काल के गद्य साहित्य में विषय वैविध्य, समाज सुधार का प्रबल प्रवाह, उन्नत राजनैतिक चेतना आदि विशेषताएं दिखाई देती हैं। इस काल के अधिकांश लेखकों ने अपनी रचनाओं में रोचकता, मुक्त हास्य व्यंग, सामाजिक जीवन की विकृतियों एवं जर्जर मान्यताओं पर प्रहार किया है तथा भाषा सरल एवं प्रवाहपूर्ण है। **4**

प्रमुख लेखक

रचनाएँ

भारतेन्दु हरिशचन्द्र	–	अद्‌भुत अपूर्व स्वप्न
बालकृष्ण भट्‌ट	–	आत्मनिर्भरता
प्रताप नारायण मिश्र	–	वृद्व, दाँत
बालमुकुंद गुप्त	–	बंगवासी

अथवा

शुक्ल युग के प्रवर्तक आचार्य रामचन्द्र शुक्ल हैं।

इस युग में विषय की गंभीरता, अध्ययन मनन की गहन क्षमता दिखाई देती है। इस युग में लेखकों ने जीवन, समाज और साहित्य के प्रति अपनी सैद्वांतिक मान्यताएं अपनी रचनाओं में प्रदर्शित की हैं। छायावादी विषयक चिंतन मनन और दृष्टिकोण को इस युग में विशेष मान्यता मिली है।

उत्तर 13. अ. मुहावरों का अर्थ एवं वाक्य में प्रयोग (कोई दो) **4**

1) नाकों चने चबाना, अर्थ – खूब तंग करना।
2) मुट्‌ठी में करना, अर्थ – वश में करना।
3) पौ बारह होना, अर्थ – बहुत लाभ होना।

वाक्य में प्रयोग छात्र स्वविवेक से करेंगे।

ब. वाक्य शुद्विकरण (कोई दो)

1) नीता सुंदर लड़की है।
2) मुझे घर जाना है।
3) वह भाग्यवती स्त्री है।

उत्तर 14. अ. शब्द–युग्मों का अलग–अलग अर्थों में वाक्य में प्रयोग (कोई दो) **4**

1) उपेक्षा – मित्र की इतनी उपेक्षा नहीं करनी चाहिए
   अपेक्षा – मुझे तुमसे ऐसी अपेक्षा नहीं थी।
2) कॉफी – मुझे कॉफी का स्वाद पसंद है
   काफी – बस मेरे लिए इतना ही काफी है।

3) अवलंब – राम अपने पिता का एकमात्र अवलंब है

अविलंब – मुझे अविलंब वहाँ पहुँचना है।

ब. वाक्य परिवर्तन (कोई दो)

1) ओह! मयूर वन में नाचता है।

2) वे मेरे पिताजी हैं और पलंग पर लेटे हैं।

3) रोगी को दवा पीते ही उल्टी हो गई।

उत्तर 15. मनुष्य जीवन में आशा कभी समाप्त नहीं होती आशा के कारण ही जीवन निरंतर आगे की ओर बढ़ता है। **4**

अथवा

वन के जीव – जंतु बिना किसी प्रश्रय के स्वतंत्र और उन्मुक्त जीवन व्यतीत करते हैं मानों हरि स्वंय इन अनाथों की रक्षा करते हों।

उत्तर 16. **गद्यांश की व्याख्या –** **5**

पाठ का नाम – नर और नारायण

कवि का नाम – गुलाबराय

अर्थ – प्रस्तुत गद्यांश में लेखक ने बहुप्रतीक्षित वर्षा को लेकर अपने विचार प्रकट किये हैं।

अथवा

पाठ का नाम – बल बहादुरी

लेखक का नाम – बन्हैसालाल मिश्र

अर्थ – बल और बुद्धि का संयोग मनुष्य को बहुत अधिक शक्तिशाली बना देता है।

उत्तर 17. **पद्यांश की व्याख्या –** **5**

पाठ का नाम – रहिमन विलास

कवि का नाम – रहीम

अर्थ – बड़ों का कर्त्तव्य है छोटों को क्षमा करना।

अथवा

पाठ का नाम – यशोधरा की व्यथा

कवि का नाम – मैथिलीशरण गुप्त

अर्थ – यशोधरा के विरह के तारतम्य में पतझड़ ऋतु का समावेश।

उत्तर 18. 1) कभी – कभी बोलने से अधिक चुप रहना अच्छा है क्योंकि मौन की भाषा अधिक प्रभाव छोड़ती है। **5**

2) मौन की भाषा शब्दों की चोट से बड़ी होती है।

3) मौन की भाषा या इससे मिलता जुलता कोई शीर्षक हो सकता है।

उत्तर 19. सटीक शीर्षक – मनोरंजन का मानव जीवन में महत्व (अन्य सटीक शीर्षक पर भी अंक दिये जायें)। **5**

अन्य उप प्रश्नों के उचित उत्तर पर भी अंक दिये जाऐं। इन्हें छात्र स्वविवेक से तथा अध्ययन के आधार पर हल करें।

उत्तर 20. आवेदन पत्र अथवा पारिवारिक पत्र निर्धारित प्रारूप में प्रस्तुत करने पर अंक दिये जाऐंगे। पत्र तीन भागों में विभाजित कर अंक योजना बनाई जाए। तद्नुसार ही छात्र को पत्र लेखन का पर्याप्त अभ्यास कराया जाए। **5**

– संबोधन 1 अंक, पत्र का मध्य भाग (विषय वस्तु) 3 अंक, समापन अथवा प्रार्थी का नाम परिचय आदि पर 1 अंक

उत्तर 21. छात्रों द्वारा निबंध लेखन में शब्द चयन, प्रस्तुतिकरण, क्रमबद्वता, बिंदुवार विषय विस्तार, सूक्तियाँ, उदाहरण विषय वस्तु पर मौलिक चिंतन स्वयं के मत, मुहावरे लोकोक्तियों का प्रयोग आदि के समावेश करने पर विवेकानुसार अंक दिये जाए। प्रस्तुतिकरण में प्रस्तावना में विषय प्रवेश से लेकर विषय विस्तार तथा उपसंहार में वैचारिक अर्न्तसंबंध एवं क्रमबद्वता होनी चाहिए। **10**

——//——